



05 Jan 2026

11:42 AM

Jodhpur

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120829704

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 05/01/2026 : _____ जन्म तिथि _____ : 05/01/2026
 सोमवार : _____ दिन _____ : सोमवार
 घंटे 11:42:00 : _____ जन्म समय _____ : 11:42:00 घंटे
 घटी 10:38:58 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 10:38:58 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Jodhpur : _____ स्थान _____ : Jodhpur
 उत्तर 26:18:00 : _____ अक्षांश _____ : 26:18:00 उत्तर
 पूर्व 73:08:00 : _____ रेखांश _____ : 73:08:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:37:28 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:37:28 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:26:24 : _____ सूर्योदय _____ : 07:26:24
 17:59:32 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:59:32
 24:13:20 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:20
 मीन : _____ लग्न _____ : मीन
 गुरु : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : गुरु
 कर्क : _____ राशि _____ : कर्क
 चन्द्र : _____ राशि-स्वामी _____ : चन्द्र
 पुष्य : _____ नक्षत्र _____ : पुष्य
 शनि : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : शनि
 4 : _____ चरण _____ : 4
 विष्कुम्भ : _____ योग _____ : विष्कुम्भ
 वणिज : _____ करण _____ : वणिज
 डा-डालचंद : _____ जन्म नामाक्षर _____ : डा-डाली
 मकर : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : मकर
 विप्र : _____ वर्ण _____ : विप्र
 जलचर : _____ वश्य _____ : जलचर
 मेष : _____ योनि _____ : मेष
 देव : _____ गण _____ : देव
 मध्य : _____ नाड़ी _____ : मध्य
 श्वान : _____ वर्ग _____ : श्वान
 0 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 1



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
उ०भाद्रपद	2	07:09:19	मीन			लग्न			मीन	07:09:19	2	उ०भाद्रपद
पूर्वाषाढ़ा	3	20:41:07	धनु			सूर्य			धनु	20:41:07	3	पूर्वाषाढ़ा
पुष्य	4	15:39:07	कर्क			चंद्र			कर्क	15:39:07	4	पुष्य
पूर्वाषाढ़ा	3	21:44:08	धनु	अ		मंगल	अ		धनु	21:44:08	3	पूर्वाषाढ़ा
मूल	4	10:58:46	धनु	अ		बुध	अ		धनु	10:58:46	4	मूल
पुनर्वसु	2	26:34:21	मिथु	व		गुरु	व		मिथु	26:34:21	2	पुनर्वसु
पूर्वाषाढ़ा	3	20:20:33	धनु	अ		शुक्र	अ		धनु	20:20:33	3	पूर्वाषाढ़ा
पू०भाद्रपद	4	02:12:26	मीन			शनि			मीन	02:12:26	4	पू०भाद्रपद
शतभिषा	3	16:08:34	कुंभ	व		राहु	व		कुंभ	16:08:34	3	शतभिषा
पू०फाल्गुनी	1	16:08:34	सिंह	व		केतु	व		सिंह	16:08:34	1	पू०फाल्गुनी
कृतिका	3	03:36:59	वृष	व		मु			मीन	07:09:19	2	उ०भाद्रपद

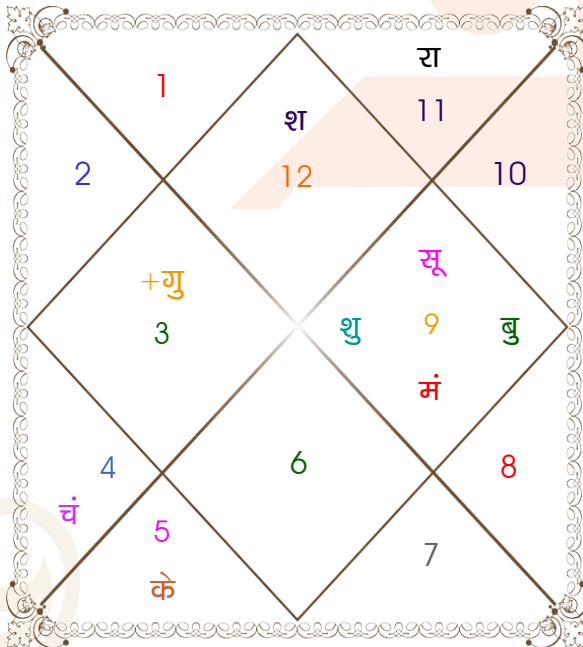
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

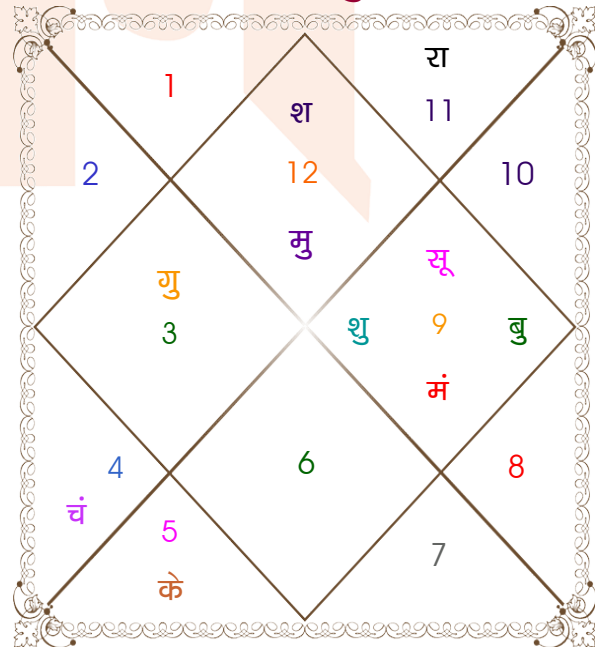
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - गुरु - बुध	शनि - गुरु - केतु	शनि - गुरु - शुक्र	शनि - गुरु - सूर्य
05/01/2026 11:42	09/01/2026 07:39	04/03/2026 07:04	05/08/2026 12:16
09/01/2026 07:39	04/03/2026 07:04	05/08/2026 12:16	20/09/2026 18:38
00/00/0000 00:00	केतु 12/01/2026 11:13	शुक्र 29/03/2026 23:56	सूर्य 07/08/2026 19:47
00/00/0000 00:00	शुक्र 21/01/2026 11:07	सूर्य 06/04/2026 17:00	चंद्र 11/08/2026 16:19
00/00/0000 00:00	सूर्य 24/01/2026 03:53	चंद्र 19/04/2026 13:26	मंगल 14/08/2026 09:05
00/00/0000 00:00	चंद्र 28/01/2026 15:50	मंगल 28/04/2026 13:20	राहु 21/08/2026 07:38
00/00/0000 00:00	मंगल 31/01/2026 19:24	राहु 21/05/2026 16:31	गुरु 27/08/2026 11:41
00/00/0000 00:00	राहु 08/02/2026 21:43	गुरु 11/06/2026 06:00	शनि 03/09/2026 19:30
00/00/0000 00:00	गुरु 16/02/2026 02:26	शनि 05/07/2026 16:02	बुध 10/09/2026 08:48
05/01/2026 11:42	शनि 24/02/2026 15:33	बुध 27/07/2026 12:22	केतु 13/09/2026 01:34
शनि 09/01/2026 07:39	बुध 04/03/2026 07:04	केतु 05/08/2026 12:16	शुक्र 20/09/2026 18:38
शनि - गुरु - चंद्र	शनि - गुरु - मंगल	शनि - गुरु - राहु	बुध - बुध - बुध
20/09/2026 18:38	06/12/2026 21:14	29/01/2027 20:39	17/06/2027 15:44
06/12/2026 21:14	29/01/2027 20:39	17/06/2027 15:44	20/10/2027 06:31
चंद्र 27/09/2026 04:51	मंगल 10/12/2026 00:48	राहु 19/02/2027 16:19	बुध 05/07/2027 07:25
मंगल 01/10/2026 16:48	राहु 18/12/2026 03:06	गुरु 10/03/2027 04:27	केतु 12/07/2027 13:53
राहु 13/10/2026 06:23	गुरु 25/12/2026 07:50	शनि 01/04/2027 03:52	शुक्र 02/08/2027 08:21
गुरु 23/10/2026 13:08	शनि 02/01/2027 20:56	बुध 20/04/2027 19:47	सूर्य 08/08/2027 13:53
शनि 04/11/2026 18:09	बुध 10/01/2027 12:27	केतु 28/04/2027 22:05	चंद्र 18/08/2027 23:07
बुध 15/11/2026 16:19	केतु 13/01/2027 16:01	शुक्र 22/05/2027 01:16	मंगल 26/08/2027 05:35
केतु 20/11/2026 04:16	शुक्र 22/01/2027 15:55	सूर्य 28/05/2027 23:49	राहु 13/09/2027 22:12
शुक्र 03/12/2026 00:42	सूर्य 25/01/2027 08:42	चंद्र 09/06/2027 13:25	गुरु 30/09/2027 12:58
सूर्य 06/12/2026 21:14	चंद्र 29/01/2027 20:39	मंगल 17/06/2027 15:44	शनि 20/10/2027 06:31
बुध - बुध - केतु	बुध - बुध - शुक्र	बुध - बुध - सूर्य	बुध - बुध - चंद्र
20/10/2027 06:31	10/12/2027 14:01	05/05/2028 04:36	18/06/2028 04:10
10/12/2027 14:01	05/05/2028 04:36	18/06/2028 04:10	30/08/2028 11:27
केतु 23/10/2027 06:21	शुक्र 04/01/2028 00:27	सूर्य 07/05/2028 09:22	चंद्र 24/06/2028 06:46
शुक्र 31/10/2027 19:36	सूर्य 11/01/2028 08:22	चंद्र 11/05/2028 01:20	मंगल 28/06/2028 13:24
सूर्य 03/11/2027 09:11	चंद्र 23/01/2028 13:35	मंगल 13/05/2028 14:55	राहु 09/07/2028 13:17
चंद्र 07/11/2027 15:48	मंगल 01/02/2028 02:50	राहु 20/05/2028 05:15	गुरु 19/07/2028 07:52
मंगल 10/11/2027 15:38	राहु 23/02/2028 02:38	गुरु 26/05/2028 01:59	शनि 30/07/2028 22:25
राहु 18/11/2027 08:22	गुरु 13/03/2028 15:46	शनि 02/06/2028 01:07	बुध 10/08/2028 07:39
गुरु 25/11/2027 04:34	शनि 05/04/2028 20:53	बुध 08/06/2028 06:40	केतु 14/08/2028 14:16
शनि 03/12/2027 07:33	बुध 26/04/2028 15:20	केतु 10/06/2028 20:14	शुक्र 26/08/2028 19:29
बुध 10/12/2027 14:01	केतु 05/05/2028 04:36	शुक्र 18/06/2028 04:10	सूर्य 30/08/2028 11:27



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह पूर्वक सम्पन्न करेंगे। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस वर्ष में आपको समस्त भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप उनका उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सुगन्धित द्रव्य, मोती आदि रत्न तथा अन्य ऐश्वर्यशाली पदार्थों को अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। पारिवारिक जीवन इस समय आपका खुशहाल रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से इच्छित सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही उनका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अत्यंत ही महत्वपूर्ण रहेगा तथा आय स्रोतों में वृद्धि कर के आप इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करेंगे। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। मित्रों एवं संबन्धियों से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे एवं उनसे इच्छित सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको आवास या भूमि संबंधी लाभ भी प्राप्त होगा। साथ ही संतति प्राप्ति भी हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपका विस्तार होगा या किसी नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ करने में समर्थ रहेंगे जिससे आपके प्रचुर मात्रा में लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। इस समय उच्चाधिकारी या राजनैतिक लोगों से आपके मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी उच्च एवं प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति हो सकती है। स्त्री वर्ग से भी आपकी मित्रता रहेगी तथा उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही धार्मिक नेताओं से भी सम्पर्क बनें रहेंगे। अतः इस वर्ष को आप अत्यंत सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

_*__**_****

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्यमान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे, व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबंधी कार्यों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यों में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही वाहन संबंधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकांश समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।